Knowledgeable Research
An International Open-access Peer-reviewed Journal
Vol-1, No-3, *October 2022*
Web: http://www.knowledgeableresearch.com/

स्वच्छ भारत अभियान के प्रति बी0एड0 प्रशिक्षणार्थियों की जानकारी का अध्ययन

प्रिया शर्मा
असिस्टेंट प्रोफेसर, शिक्षक शिक्षा विभाग
स्वामी शुकदेवानन्द महाविद्यालय, शाहजहाँपुर
Email: priyaspn82082@gmail.com

****

सारांशः– *भारत के प्रधानमंत्री ने 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत की थी और इसे एक राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में शुरू करने में लगने वाले समय और देश की व्यापकता को देखते हुए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस अभियान का उद्देश्य 2 अक्टूबर 2019 तक 'स्वच्छ भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करना था, जो महात्मा गांधी के स्वच्छ और स्वास्थ्यकर भारत के सपने को साकार करना था। यह अध्ययन इस बात पर केंद्रित है कि बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी स्वच्छ भारत के प्रति कितनी जानकारी रखते हैं। अध्ययन सर्वेक्षण विधि पर आधारित है। जिसमें महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड से सम्बद्ध तथा जनपद शाहजहाँपुर के नगर क्षेत्र में स्थिति बी0एड0 महाविद्यालयों में अध्ययनरत् 150 (85 पुरूष 65 महिला) प्रशिक्षणार्थियों को न्यादर्श के रूप में सरल यादृच्छिक विधि से चयनित किया गया है। चयनित न्यादर्श के माध्यम से आंकड़ों का संग्रहण स्वनिर्मित 'स्वच्छ भारत अभियान जानकारी प्रश्नावली' के माध्यम से किया गया है। अध्ययन के निष्कर्ष में यह ज्ञात हुआ कि स्वच्छ भारत अभियान के प्रति कुल 85.08 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकरी रखते हैं तथा 14.91 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी नहीं रखते हैं।*

मुख्य बिन्दुः– *स्वच्छ भारत अभियान, बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी, जानकारी।*

****

प्रस्तावना

स्वच्छ भारत अभियान हमारे देश को स्वच्छ करने के उद्देश्य से चलाया गया है। इस अभियान से हमारा देश साफ सुथरा होने के साथ–साथ आर्थिक रूप से सशक्त भी होगा। सरकार ने देश के राष्ट्रीयता महात्मा गाँधी को इस अभियान से जोड़ा है क्योंकि देश मे स्वच्छता के कार्यों के बड़े समर्थक थे तथा वह अपने पूरे जीवन स्वच्छता और साफ सफाई की गतिविधियों से जुड़े रहे।

स्वच्छ भारत आन्दोलन

भारत के स्वच्छ बनाने के लक्ष्य के साथ नई दिल्ली, राजघाट पर 2 अक्टूबर 2014 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इस अभियान का आरम्भ किया गया। स्वच्छता अभियान का लक्ष्य 2 अक्टूबर 2019 तक हर परिवार को शौचालय सहित स्वच्छता सुविधा उपलब्ध कराना, ठोस और अपशिष्ट निपटान व्यवस्था, गाँव में साफ सफाई और सुरक्षित तथा पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराना था। यह भारत के राष्ट्रपिता को उनके 150 वें जन्मदिवस पर दी जाने वाली सबसे उपयुक्त श्रद्धान्जलि थी। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि इस अभियान को सफल बनाने हेतु प्रधानमंत्री स्वयं सड़को को साफ कर इस अभियान की शुरूआत की। अभियान से प्रेरणा लेकर 3 जनवरी 2015 को इण्डो–नेपाल डॉक्टर एसोसिएशन ने एक अभियान की शुरूआत की जिसको ''स्वच्छ भारत नेपाल अभियान'' कहा गया। इसकी शुरूआत इंडो नेपाल बार्डर क्षेत्र, सुनौली– बेलिहिया (महात्मा बुद्ध का जन्म स्थान लुंबिनी, नेपाल) से हुई। जबकि पहले ही यह निर्धारित कर दिया गया था कि यह अभियान केवल सरकार का कर्तव्य नहीं है वरन् राष्ट्र को स्वच्छ बनाने का उत्तरदायित्व इस देश के सभी नागरिकों का है।

स्वच्छ भारत अभियान का इतिहासः

स्वच्छ भारत आन्दोलन आज तक का स्वच्छता से सम्बन्धित एक बड़ा कदम है। इस अभियान को विश्य स्तर पर प्रसिद्ध करने के लिये तथा आम जनता को इसके प्रति जागरूक करने के लिये विद्यालयों तथा महाविद्यालयों के विद्यार्थियो सहित लगभग 3 लाख कर्मचारियों ने इसके प्रारम्भ होने के दिन इसमें भाग लिया। 1500 लोगों की उपस्थिति में 2 अक्टूबर 2014 को राष्ट्रपति भवन में इस कार्यक्रम को आयोजित किया गया था। तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने हरा झंडा दिखाकर इस आन्दोलन का आरम्भ किया।

इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाने हेतु व्यापार, खेल और फिल्म उद्योग से जुड़े व प्रसिद्ध व्यक्तियों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नामित किया। उन्होंने उन 9 व्यक्तियों से निवेदन भी किया वे और 9 व्यक्तियों को इस अभियान से जोड़ें तथा स्वच्छता के इस आन्दोलन को देश के कोने–कोने में रहने वाले प्रत्येक भी भारतीय तक पहुँचायें।

माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा कि इस आन्दोलन का चुनौती की तरह लेना चाहिए तथा व्यक्तिगत तौर पर दूसरे 9 चुनौती की तरह लेना चाहिए। जिससे स्वच्छता का यह अभियान 2019 तक पूर्ण हो सके तथा इतिहास में भारत हमेशा के लिए एक स्वच्छ

देश बन सके।

स्वच्छ भारत अभियान भारत के स्वच्छ बनाने तक ही सीमित नहीं है बल्कि इससे भारत के विकास की रूपरेखा भी स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होती है। ऐसे में विद्यार्थियों और शिक्षकों का भी दायित्व है कि वह जन समुदाय को इसके लिए जागरूक करें और स्वयं भी जागरूक बनें। चूंकि बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी भविष्य के शिक्षक और वर्तमान के विद्यार्थी हैं वह इस समय शिक्षक और विद्यार्थी दोनों रूपों में खुद पाते हैं। ऐसे में इनकी स्वच्छ भारत अभियान के जागरूकता का अध्ययन आवश्यक प्रतीत होता है।

सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन :

विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ (2017) ने अपनी रिपोर्ट ''पेयजल, स्वच्छता और स्वास्थ्य अद्यतन और सतत विकास लक्ष्य आधार रेखाओं पर प्रगति'' में बताया कि भारत ने बुनियादी स्वच्छता लक्ष्यों को प्राप्त नहीं किया है और बुनियादी स्वच्छता के संबंध में इसका कवरेज 50प्रतिशत से भी कम है। यह विकासशील देशों में सबसे कम में से एक है। आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत ष्मेरा स्वच्छ पड़ोसष (2017) रिपोर्ट में कहा गया है कि चूँकि परिवहन केंद्र (बस स्टैंड, ऑटो और टैक्सी स्टैंड, ट्रक स्टेशन, आदि) बड़ी संख्या में यात्रियों और अन्य परिवर्तनशील आबादी को आकर्षित करते हैं, इसलिए यात्रियों के लिए पड़ोस को स्वच्छ और स्वास्थ्यकर बनाने में उनकी भागीदारी महत्वपूर्ण है।

डॉ. रोहित बंसल और डॉ. राम सिंह (2019) ने स्वच्छ भारत मिशन की कमियों को बताया है। कानूनी परिणामों के लुप्त होने के कारण कई कमजोरियाँ हैं, जिनमें स्थानीय स्तर की संस्थाओं को अधिकार प्रदान करने के लिए राज्य स्तर पर राजनीतिक और नौकरशाही विरोध, कल्याणकारी योजनाओं के अधिकांश लाभों पर स्थानीय अभिजात वर्ग का नियंत्रण, और स्थानीय स्तर पर क्षमता का अभाव शामिल है। उन्होंने यह भी कहा है कि मिशन की सफलता पूरी तरह से व्यक्तियों और नागरिकों पर निर्भर है कि वे कूड़ा न फैलाएँ। **कनिका महाजन और शीतल सेखरी (2020)** ने बताया है कि स्वच्छता, सफाई, यौन हिंसा और किसी देश की अर्थव्यवस्था, सभी एक–दूसरे से जुड़े हुए हैं। उन्होंने निष्कर्ष निकाला है कि घर में शौचालय की सुविधा महिलाओं के खिलाफ हिंसक अपराधों के जोखिम को कम करती है।

समस्या कथनः–

प्रस्तुत शोध पत्र का उद्देश्य स्वच्छ भारत अभियान के प्रति बी0 एड0 प्रशिक्षणाथियों की

जानकरी का अध्ययन करना है।

प्रमुख शब्दो का परिभाषीकरण :–

प्रस्तुत अध्ययन में प्रयोग किए गए प्रमुख शब्दों का परिभाषीकरण निन्नानुसार है।

1. **स्वच्छ भारत अभियानः–** भारत सरकार द्वारा आरम्भ किया गया राष्ट्रीय स्तर का अभियान है जिसका उद्देश्य गलियों, सड़को तथा अधोसंरचना को साफ सुथरा करना और कूड़ा साफ करना है।
2. **बी0 एड0ः–** विद्यालय में अध्ययन कार्य के लिए अध्यापक के रूप में प्रशिक्षित होने की उपाधि। प्रस्तुत अध्ययन में बी0एड0 से तात्पर्य महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय द्वारा संचालित द्विवर्षीय बी0एड0 पाठ्यक्रम से है।
3. **प्रशिक्षणार्थीः–** प्रशिक्षणार्थी वह जो किसी कला या विद्या का प्रशिक्षण या ट्रेनी कहते हैं। प्रस्तुत अध्ययन में प्रशिक्षणार्थियों से तात्पर्य महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय द्वारा संचालित बी0एड0 पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष में प्रशिक्षणरत् छात्र एवं छात्राओं से है।
4. **जानकारीः–** वह बात आदि जो किसी का किसी विषय का ज्ञान या परिचय करने के लिए की जाये, उसे जानकारी कहते हैं। प्रस्तुत अध्ययन में जानकारी से अभिप्राय बी. एड. प्रशिक्षणार्थियों की स्वच्छ भारत अभियान के प्रति जानकारी से है।

शोध उद्देश्यः–

प्रस्तुत अध्ययन का मुख्य उद्देश्य स्वच्छ भारत अभियान के प्रति बी0एड0 प्रशिक्षणार्थियों की जानकारी का अध्ययन करना है।

शोध प्रविधि एवं प्रक्रियाः–

विधिः प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षणात्मक शोध विधि का प्रयोग किया गया है।

जनसंख्याः प्रस्तुत शोध कार्य में समग्र के अन्तर्गत शाहजहाँपुर नगर के उन सभी प्रशिक्षणार्थियों को सम्मिलित किया गया है जो महात्मा ज्योतिबा फुले विश्वविद्यालय, बरेली से सम्बद्ध तथा शाहजहाँपुर जिले में स्थित महाविद्यालयों में बी0एड0 पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष में अध्ययनरत् हैं।

न्यादर्शः न्यादर्श चयन के अन्तर्गत बी0एड0 महाविद्यालयों का चयन सरल यादृच्छिक प्रतिचयन विधि से किया गया है। जिसके अन्तर्गत लाटरी विधि से 05 महाविद्यालयों में से 03

महाविद्यालयों का चयन किया गया। चयनित 03 महाविद्यालयों में कुल 250 बी0 एड0 प्रशिक्षणार्थी थे। जिसमें से 60 प्रतिशत (150) विद्यार्थियों को क्रमागत प्रतिचयन विधि के माध्यम से कर लिया गया है। चयनित न्यादर्श का वर्गीकरण निम्न तालिका में प्रदर्शित किया गया है–

क्रम	**महाविद्यालयों के नाम**	**चयनित प्रशिक्षणर्थियों की संख्या**		**कुल संख्या**
		स्त्री	पुरूष	
1.	धी फैज–ए–आम कालेज, शाहजहाँपुर	31	20	51
2.	ामी शुकदेवानंद महाविद्यालय, शाहजहाँपुर	24	29	53
3.	् इन्स्टीट्यूट आफॅ टीचर एजुकेशन, शाहजहाँपुर	30	16	46
योग	**विद्यार्थियों की संख्या**	**85**	**65**	**150**

उपकरणः–

प्रस्तुत अध्ययन में ''स्वच्छ भारत अभियान'' की जानकारी के लिए स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है।

आंकड़ों का विश्लेषण एवं निर्वचनः–

अध्ययन में उद्देश्ययों के अनुसार सर्वेक्षण से उपलब्ध आंकड़ों को निम्नलिखित प्रकार से वर्गीकृत करके विश्लेषित किया गया है तथा पूर्व निर्धारित उद्देश्यों का परीक्षण प्रशिक्षणार्थियों के प्रतिशत के आधार पर किया गया है।

उद्देश्यः स्वच्छ भारत अभियान के प्रति बी0एड0 प्रशिक्षणार्थियों की जानकारी का अध्ययन करना

क्रम	**प्रश्न**	**पुरूष**	**महिलायें**	**कुल**	**प्रतिशत**

क्रम	प्रश्न	पुरूष	महिलायें	कुल	प्रतिशत
1.	एस0वी0एम0 की अवधारणा के पीछे प्रेरणा कौन है?	62	85	147	98%
2.	साफ सफाई के लिए भारतीय सरकार और गाँवों द्वारा कौन सा पुरस्कार दिया जाता है?	17	13	30	20%
3.	भारत को स्वच्छ और हरा देश बनाने के लिये भारत सरकार ने किस अभियान की शुरूआत की थी?	54	84	138	92%
4.	एस0बी0एम0 की फुल फार्म क्या है?	63	80	143	95.34%
5.	स्वच्छ भारत अभियान किस प्रसिद्ध भारतीय नेता की जयंती पर शुरु किया गया था?	58	74	132	88%
6.	स्वच्छ भारत अभियान महात्मा गाँधी की कौन सी जयंती के अवसर पर शुरु किया गया?	64	54	116	77.34%
7.	भारत सरकार ने शौचालयों को अपनी प्राथमिकता सूची में शामिल कर लिया है और आश्वासन दिया कि इस वर्ष हर घर में शौचालयों की व्यवस्था हो जायेगी।	52	39	91	60.66%
8.	स्वच्छ भारत अभियान की टैग लाइन क्या है?	50	80	130	86.66%
9.	भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी स्वच्छ भारत लान्च करते समय लोगों से हर साल कितने घंटे दान करने के लिए कहा?	40	48	88	58.66%
10.	किसने स्वच्छ भारत अभियान का लोगो डिजाइन किया?	32	58	90	60%
11.	किसने स्वच्छ भारत अभियान के लिये स्लोगन दिया?	58	53	111	74%
12.	ओ0डी0एफ0 की फुल फार्म क्या है?	52	49	101	67%
13.	स्वच्छ भारत मिशन की अवधि क्या है?	48	69	117	78%
14.	किसने राष्ट्र को सुधारने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध किया है कि देश में हर भारतीय परिवार के पास शौचालय हों।	41	75	116	77.33%
15.	एस0बी0एम0 का प्राथमिक लक्ष्य क्या है?	42	71	113	75.33%
16.	प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान की घोषणा 15 अगस्त को दिल्ली में किस स्थान से की	55	71	126	84%

क्रम	प्रश्न	पुरूष	महिलायें	कुल	प्रतिशत
	थी?				
17.	घरेलू शौचालय के निर्माण में अन्य राज्यों से पहले कौन सा राज्य है?	55	50	105	70%
18.	यह परियोजना क्यों शुरु हुई?	40	19	59	39.33%
19.	अपशिष्ट जल क्या है?	48	58	102	68%
20.	घरो के द्वारा त्याग अपशिष्ट जल कहलाता है?	22	14	36	24%
21.	मल मुख्य रूप से इनमें से किससे उत्पन्न होता है?	56	54	110	73%
22.	भारत का सबसे स्वच्छ शहर कौन सा है?	42	46	88	58.66%
23.	स्वच्छता की सही प्रक्रिया कौन सी है?	24	11	35	23.33%
24.	आमतौर पर फेंकी गयी कुछ वस्तुयें क्या हैं?	42	49	91	60.66%
25.	भारत किस दिन विश्व टॉयलेट दिवस का निरीक्षण करता है?	18	9	27	18%
26.	शौचालय के पीछे टैंक कौन सा है?	52	51	103	68.66%
27.	अपशिष्ट जल उपचार के दौरान कौन सी प्रक्रिया रोगाणुओं को मारने में मदद करती है?	54	71	125	83.33%
28.	स्वच्छ भारत अभियान के दो मिशन में से एक है?	56	53	109	72.66%
29.	स्वच्छ भारत अभियान की क्या जरूरत है?	44	56	100	66.66%
30.	किस तिथि को निर्मल भारत अभियान को दोबारा स्वच्छ भारत अभियान के रूप में शुरु किया गया?	60	65	125	83.33%
31.	शौचालय निस्तारण के बाद पानी और अपशिष्ट कहाँ जाता है?	50	49	99	66%
32.	स्वच्छता सुविधाओं की अनुपलब्धता के कारण कौन सी बड़ी बीमारी हुई है?	50	52	102	68%
33.	कब हाथ धोने चाहिए?	40	41	81	54%
34.	अपने हाथों को कितनी देर तक धोना चाहिए?	32	39	71	47.33%
35.	बीमारी के संचरण को रोकने के लिए सबसे प्रभावी तरीका कौन सा है?	16	65	125	83.33%
36.	भारत के प्रधानमंत्री से प्रेरित होकर किस देश ने 03 जनवरी 2015 को अपने देश में एस0बी0एम0 के	55	51	106	70.66%

क्रम	प्रश्न	पुरूष	महिलायें	कुल	प्रतिशत
	समान कार्यक्रम शुरु किया।				
37.	बच्चों में स्वच्छता को मूल रूप से नियमित कर देना चाहिए। कथन हैं।	49	60	109	72.66%
38.	स्वच्छ भारत अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में 2014–2015 में कितने शौचालय निर्मित हुये।	55	72	127	84.66%

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि कुल चयनित बी0एड0 प्रशिक्षणार्थियों में से

1. पहले प्रश्न के प्रति 98 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 02 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
2. दूसरे प्रश्न के प्रति 20 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 80 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
3. तीसरे प्रश्न के प्रति 92 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 08 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
4. चौथे प्रश्न के प्रति 95.34 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 4. 66 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
5. पाँचवें प्रश्न के प्रति 88 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 12 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
6. छठे प्रश्न के प्रति 77.34 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 22. 66 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
7. सातवें प्रश्न के प्रति 66.66 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 33.33 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
8. आठवें प्रश्न के प्रति 86.66 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 13.33 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
9. नौवें प्रश्न के प्रति 58.66 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 41.34 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।

10. दसवें प्रश्न के प्रति 60 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 40 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
11. ग्यारहवें प्रश्न के प्रति 74 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 26 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
12. बारहवें प्रश्न के प्रति 67 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 33 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
13. तेरहवें प्रश्न के प्रति 78 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 22 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
14. चौदहवें प्रश्न के प्रति 77.33 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 22.66 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
15. पन्द्रहवें प्रश्न के प्रति 75.33 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 24.66 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
16. सोलहवें प्रश्न के प्रति 84 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 16 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
17. सत्रहवें प्रश्न के प्रति 70 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 30 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
18. अठारहवें प्रश्न के प्रति 39.33 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 60.67 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
19. उन्नीसवें प्रश्न के प्रति 68 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 32 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
20. बीसवें प्रश्न के प्रति 28 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 72 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
21. इक्कीसवें प्रश्न के प्रति 72 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 28 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
22. बाइसवें प्रश्न के प्रति 58.66 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 41.34 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।

23. तेइसवें प्रश्न के प्रति 23.33 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 76.67 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
24. चौबीसवें प्रश्न के प्रति 60.66 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 39.34 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
25. पच्चीसवें प्रश्न के प्रति 18 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 82 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
26. छब्बीसवें प्रश्न के प्रति 68.66 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 31.33 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
27. सत्ताइसवें प्रश्न के प्रति 83.33 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 16.66 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
28. अटठाइसवें प्रश्न के प्रति 72.66 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 27.33 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
29. उन्तीसवें प्रश्न के प्रति 66.66 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 33.34 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
30. तीसवें प्रश्न के प्रति 83.33 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 33.66 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
31. इकत्तीसवें प्रश्न के प्रति 66 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 34 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
32. बत्तीसवें प्रश्न के प्रति 68 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 32 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
33. तैतीसवें प्रश्न के प्रति 54 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 46 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
34. चौंतीसवें प्रश्न के प्रति 47.33 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 52.67 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
35. पैंतीसवें प्रश्न के प्रति 83.33 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 16.66 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।

36. छत्तीसवें प्रश्न के प्रति 70.66 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 29.33 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
37. सैंतीसवें प्रश्न के प्रति 72.66 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 27.33 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।
38. अड़तीसवें प्रश्न के प्रति 84.66 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं और 15.33 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी रखते हैं।

निष्कर्षः–

इस प्रकार निष्कर्ष से यह ज्ञात हुआ कि स्वच्छ भारत अभियान के प्रति कुल 85.08 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकरी रखते हैं। तथा 14.91 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थी सही जानकारी नहीं रखतें हैं।

शैक्षिक उपयोगिताः–

स्वच्छता सुन्दरता की पहली सीढ़ी है। स्वच्छ भारत अभियान का मुख्य मुद्दा व्यक्तिगत स्वच्छता से ऊपर सार्वजनिक स्थलों को स्वच्द रखने की भावना का विकास करना है। स्वच्छता एवं मनोवृत्ति है और सफाई उसका प्रकटीकरण। हमें स्वच्छ भारत अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए ऐसे सभी मॉडल्स को सूक्ष्मता से परखना होगा ताकि उचित तकनीकी और व्यावहारिक शोध को शामिल कर अभियान की स्वच्छता के प्रति आश्वस्त हुआ जा सके। सरकार अब पहले से ज्यादा आशावान और सकारात्मक जरूर दिख रही है परन्तु सफलता के लिए विस्तृत ब्लू प्रिंट बनाना जरूरी है, जिसमें तकनीक की अहम भूमिका होगी। समग्र तरीके से स्वच्छ भारत अभियान को लागू करने, उसे तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने, सरकार, लोगों और गैर सरकार संगठनों, राज्य–राज्यों इत्यादि के प्रयासों से आने वाले सालों में भारत अवश्य एक स्वच्छ देश बन सकता है और हम वैश्विक मानदंड पर उच्चतर श्रेणी में शामिल हो सकते हैं। राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर अपशिष्ट प्रबन्ध के विकास का समर्थन करना ताकि अपशिष्ट जनित पर्यावरण, सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों पर विजय पायी जा सके।

संदर्भ ग्रंथ सूचीः–

1. PM India, major initiatives, available at- https://www.pmindia.gov.in/en/major_initiatives/swachh-bharat-abhiyan/

2. Zee news, India, available at- https://zeenews.india.com/node/1479062
3. https://www.researchgate.net/publication/337532175_Swachh_Bharat_Abhiyan_A_Mission_to_CleanIndia
4. https://sbmurban.org/storage/app/media/pdf/Swachh%20Neighbourhood.pdf
5. https://www.researchgate.net/publication/337532175SwachhBharat Abhiyan A Mission to Clean India
6. https://ideas.repec.org/p/ash/wpaper/44.html
7. A Report on Progress on Drinking Water, Sanitation and Hygiene (2017)-
8. https://web.archive.org/web/20180130181554/https://washdata.org/file/571/download
9. My Swachh neighbourhood, a report by Ministry of housing and urban affairs (2017)-
10. https://sbmurban.org/storage/app/media/pdf/Swachh%20Neighbourhood.pdf
11. Bansal, Rohit& Singh, Ram. (2019). Swachh Bharat Abhiyan: A Mission to Clean India. 8. 290.
12. https://worldpopulationreview.com/country-rankings/cleanest-countries-in-the-world
13. https://www.pmindia.gov.in/en/major_initiatives/swachh-bharat-abhiyan/
14. कपिल, एच.के., *अनुसंधान विधियाँ व्यवहारपरक विद्वानों में,* वाल्यूम 15.4/230 कचहरी घाट, आगराः एच.पी. भार्गव बुक हाउस, द्वि–सं 2012।
15. गुप्ता, एस.पी. एवं गुप्ता अलका (2008). *व्यवहारपरक विज्ञान में सांख्यिकीय विधियाँ,* चतुर्थ संस्करण इलाहाबादः शारदा पुस्तक भवन।
16. गुप्ता, एस.पी. एवं गुप्ता अलका (2018). *आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन,* परिवर्धित संस्करण इलाहाबादः शारदा पुस्तक भवन।
17. पाण्डेय, के.पी. (2008), *शैक्षिक अनुसंधान,* तृतीय संस्करण, वाराणसीः विश्वविद्यालय प्रकाशन।